एक नजर में

गुरुपूर्णिमा पर गुरुपूजन एवं भंडारे का आयोजन

घट्टिया। अति प्राचीन लवखेड़ी हनुमान मंदिर पर 29 जुलाई बुधवार को गुरु पूर्णिमा पर्व पर देवराह बाबा आश्रम के संत श्री श्री 1008 महंत सियाराम दास त्यागी के सानिध्य में प्रात: 9 बजे गुरु पूजन का आयोजन के साथ भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

सांदीपनि विद्यालय ने किया स्वच्छता रैली का आयोजन

घट्टिया। गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा अंतर्गत सोमवार को सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घट्टिया में विद्यार्थियों द्वारा स्वच्छता रैली निकालकर स्वच्छ गाव, स्वच्छ मध्यप्रदेश एवं स्वच्छ भारत का संदेश दिया। स्वच्छता रैली में विद्यार्थी स्वच्छता संदेश की तख्तियां हाथो में लेकर नारे लगाते नगर के प्रमुख मार्गो से निकले। रैली में प्राचार्य सुनील नामदेव, उप प्राचार्य रानू परमार, महेश मकवाना, बिंदुबाला पटेल, सुनील कुमार कुमावत, डॉ. रामलगन पटेल, रेखा सैनी, लक्ष्मण सोनगरा, गिरजा आर्य, दिलीपसिंह पंवार, नरेंद्र मालवीय, अशोक पहाड़ेकर, रिंकिता हीरावत, राधा शर्मा, ममता अंजना, गोरा इसके, नूपुर परोचे आदि शिक्षक शिक्षकाएं उपस्थित रहे।

डॉ. कलाम की पुण्यतिथि पर स्पर्धा का आयोजन

उज्जैन। कलाम सर्वधर्म सोशल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा बड़ी सब्जी मंडी स्थित सैमुअल्स कॉन्वेंट स्कूल में भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि एवं सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संस्था अध्यक्ष एडवोकेट समीर खान के नेतृत्व में डॉ. कलाम के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इरफान मंसूरी ने बताया कि स्पर्धा में स्कूल के बच्चों से डॉ. कलाम के जीवन, भारत की ऐतिहासिक धरोहरों और देश की प्रमुख उपलब्धियों से जुड़े प्रश्न पूछे गए। सही उत्तर देने वाले विद्यार्थियों को संस्था की ओर से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्था के अध्यक्ष एडवोकेट समीर खान ने संबोधित भी किया। इस अवसर पर इकबाल उस्मानी, जमीर अब्बास, वकार अहमद खान, खुजेमा भाई चांदा भाई वाला, इरफान उल्लाह, बंटी शाह, जीशान खान और तोहिद शेख उपस्थित रहे। संचालन समीर उल हक ने किया तथा आभार इरफान मंसूरी ने व्यक्त किया।

कारगिल दिवस : भाजयुमो ने मशाल यात्रा निकाली

उज्जैन। कारगिल विजय दिवस पर भाजयुमो ने विशाल मशाल यात्रा निकाली। टावर चौक से शहीद पार्क तक देशभक्ति के नारों से गूंजा शहर शहीदों को पुष्पांजलि दी एवं दीप प्रज्वलन किया। 26 जुलाई रविवार को कारगिल विजय दिवस के अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष नीतिन सेन के नेतृत्व में रविवार शाम विशाल मशाल यात्रा का आयोजन किया गया। देश के वीर शहीदों को नमन करने और युवाओं में राष्ट्रभक्ति की भावना जगाने के उद्देश्य से निकाली गई यह यात्रा टावर चौक से प्रारंभ हुई। हाथों में तिरंगा और मशाल लेकर सैकड़ों भाजयुमो कार्यकर्ता भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों के साथ शहर की प्रमुख सड़कों से गुजरे। यात्रा के दौरान पूरे मार्ग पर देशभक्ति गीतों की गूंज रही। राहगीरों और दुकानदारों ने भी पुष्प वर्षा कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। मशाल यात्रा का समापन शहीद पार्क में हुआ। यहां कारगिल युद्ध में अपने प्राण न्यौछावर करने वाले वीर शहीदों की स्मृति में पुष्पांजलि अर्पित की गई। इसके बाद सभी ने दीप प्रज्जवलन कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी और 2 मिनट का मौन रखकर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा ने कहा कि कारगिल विजय दिवस हमें भारतीय सेना के शौर्य और बलिदान की याद दिलाता है। नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने कहा कि मशाल यात्रा का उद्देश्य नई पीढ़ी को शहीदों के त्याग से परिचित कराना है। सभापति कलावती यादव और भाजयुमो जिलाध्यक्ष नितिन सेन ने भी संबोधित किया। यूडीए उपाध्यक्ष मुकेश यादव, सुरेंद्र यादव ,अनिल वर्मा, राकेश पाण्ड्य,कार्तिक मिश्रा ,कमल बेरवा, अमय आप्टे, हर्षवर्धन कुशवाह सहित भाजपा के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए संकल्प लिया। जानकारी मीडिया प्रभारी दीपक नामदेव ने दी।

बच्चों को बांटे स्कूल बैग, दी गुरुओं के सम्मान की सीख

उज्जैन। भारतीय सेन समाज के कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष मनोहर परमार एवं आशा परमार की नातिन विदुषी सेन के जन्मदिन के अवसर पर शासकीय प्राथमिक विद्यालय दीनदयाल मोतीनगर में स्कूल बैग वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा नगर अध्यक्ष नितिन सेन तथा विशेष अतिथि सचिन वर्मा थे। इनके अलावा अतिथि आयुष मिश्रा, अनिल जुनवाल, रमेश सौभाग्य और मनोज गहलोत की उपस्थिति में बच्चों को बैग वितरित किए गए। बच्चों को संबोधित करते हुए मनोहर परमार ने कहा कि हमेशा गुरुओं और अपने से बड़ों का आदर करना चाहिए, क्योंकि गुरु ही आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने बच्चों को पढ़ोगे-लिखोगे तो बनोगे नवाब की सीख भी दी। संचालन संध्या सारड़ा ने किया। आभार मीनाक्षी बारोड़ ने माना। जानकारी सरिता पारिख ने दी।

खाचरौद में जगह-जगह स्वागत द्वार सजाए व समाजजनों ने गुलाल उड़ाकर साध्वी का मंगल स्वागत किया

खाचरौद। साध्वी शाश्वत् प्रिया आदि ठाणा-4 का मंगल प्रवेश श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के वातावरण में अशोक टाकिज उज्जैन दरवाजा से प्रारंभ होकर मुखिया गली, ब्रामणिपुरा, कबाड़ीपुरा, चबूतरा चोराहा जवाहर मार्ग, गणेश देवली, सागर्मल मार्ग होते हुए शोभा यात्रा महावीर मार्ग पहुंच कर धर्म सभा में परिवर्तित हुई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, सभी परिषदों के दल, विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संगठन तथा कई नगरों के श्रीसंघ शामिल हुए।

बैंड, ढोल-नगाड़ों, ताशा पार्टी एवं गुरुदेव राजेन्द्रसूरिजी का चित्र विजय वागरेचा और पुण्य सम्राट की मूर्ति को लेकर रथ में बैठने का लाभ मोहन बाई फतेहचंद नांदेचा ने लिया। आकर्षक रथों से सुसज्जित शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से निकली। जगह-जगह स्वागत द्वार सजाए गए तथा समाजजनों ने गुलाल उड़ाकर साध्वी का मंगल स्वागत किया। महिला परिषद की एक जैसी पारंपरिक वेशभूषा और भजनों पर प्रस्तुत गरबा शोभायात्रा का विशेष आकर्षण रहा।

धार्मिक उल्लास और भक्ति से ओतप्रोत वातावरण में निकली शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर जिनशासन के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। शोभायात्रा में चैन्नई, राजस्थान, गुजरात तथा मध्यप्रदेश के विभिन्न श्रीसंघों के श्रद्धालु शामिल हुए। इसके अलावा बड़नगर, महिदपुर, नागदा जंक्शन, रतलाम, सहित कई नगरों से पहुंचे गुरु भक्तों की उपस्थिति ने आयोजन को भव्यता प्रदान की। इस अवसर पर पूज्य गुरुवर्या को कांबली ओढ़ाने का लाभ सुराणा परिवार ने प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान आगंतुक अतिथियों, श्रीसंघ प्रमुखों का चातुर्मास समिति द्वारा बहुमान किया गया। शुभारंभ मंगलाचरण से हुआ। महिला परिषद ने भक्ति गीत प्रस्तुत किए.

प्रशासनिक संवेदनशीलता की मिसाल एसडीएम साहू

खाचरौद। अब सुशासन केवल कार्यालय की प्रशासनिक फाइलों तक सीमित नहीं होता, बल्कि जब उसमें मानवीय संवेदना और व्यक्तिगत प्रतिबद्धता जुड़ती है, तो धरातल पर बदलाव स्पष्ट दिखाई देता है।

इसका प्रत्यक्ष उदाहरण प्रस्तुत किया है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) नेहा साहू ने, जिनके द्वारा गोद लिए गए अत्यंत गंभीर कुपोषित बच्चे ने पोषण पुनर्वास केंद्र में मात्र 14 दिनों के भीतर उत्कृष्ट रिकवरी दर्ज की है। आज बच्चे को एनआरसी से स्वस्थ एवं बेहतर स्वास्थ्य सूचकांकों के साथ डिस्चार्ज कर दिया गया। जब बच्चे को 14 जुलाई 2026 को एनआरसी में भर्ती कराया गया था, तब उसका वजन मात्र 7.395 किग्रा, बांह का घेरा 11 सेमी और एसडी स्कोर 4 एसडी था, जो गंभीर कुपोषण की श्रेणी को दर्शाता है।

इस बच्चे की देखभाल का जिम्मा एसडीएम साहू ने लिया, बच्चे को वजन बढ़ने, हड्डी मजबूत होने के पोष्टिक पाउडर उपलब्ध कराए गए चिकित्सकों, डाइटिशियन और एनआरसी स्टाफ के समर्पित प्रबंधन के फलस्वरूप वजन में वजन बढ़कर 7.800 किग्रा (कुल +405 ग्राम) पहुंच गया है। एसडीएम साहू ने कहा कि एनआरसी से डिस्चार्ज होना उपचार की पूर्णता नहीं है। बच्चे को पूरी तरह सामान्य श्रेणी में लाने के लिए 8.5 किलोग्राम का टारगेट वेट निर्धारित किया गया है, जिसे आगामी 60 दिनों के दौरान हासिल किया जाएगा।

पुलिस ने चेकिंग अभियान चलाकर की चालानी कार्रवाई

घट्टिया। अवैध गतिविधियों की रोकथाम सहित नारकोटिक्स के अवैध परिवहन सहित आमजन की सुरक्षा को लेकर घट्टिया थाना पुलिस द्वारा प्रतिदिन उज्जैन-आगर-झालावाड़ नैशनल हाई-वे पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया जाकर वाहनों के कागजात सहित डिक्की व अन्य सामग्रियों की जांच कर बिना हैलमेट वाले दो पहिया वाहन चालकों सहित बिना कागजात वाले वाहनों पर चालानी कार्रवाई की गई। सघन चेकिंग अभियान में उपनिरीक्षक प्रवेश जाटव, सहायक उपनिरीक्षक मन्नतसिंह कुशवाह, प्रधान आरक्षक मनोज श्रीवास्तव, प्रधान आरक्षक राजेन्द्र राठौर, प्रधान आरक्षक मानसिंह आर्य, आरक्षक बनवारी यादव, एनसीओ शंकरलाल आदि द्वारा प्रतिदिन चेकिंग अभियान चलाया जाता है।

कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि, के साथ नशा मुक्ति अभियान

घट्टिया। स्व. नागूलाल मालवीय शासकीय महाविद्यालय में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. पुलकिता आनंद के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अंतर्गत नशा मुक्ति अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में थाना प्रभारी करण खोवाल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने विद्यार्थियों को नशामुक्त जीवन अपनाने तथा समाज को नशामुक्त बनाने के लिए प्रेरित किया। उपनिरीक्षक शैलेन्द्र सिंह अलावा ने नशा मुक्ति पर व्याख्यान देते हुए नशे के

दुष्परिणामों एवं उससे बचाव के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। वहीं रूपेश पर्ले ने साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के संबंध में जानकारी प्रदान दी। प्रवेश उत्सव अंतर्गत विद्यार्थियों को महाविद्यालय में प्रवेश लेकर उच्च शिक्षा प्राप्त करने, नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित रहने तथा अपने उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय में रैली एवं विभिन्न जागरूकता प्रतियोगिताओं का आयोजन कर विद्यार्थियों को नशामुक्ति का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ज्योति दातिर ने किया। सुनील गुजराती, डॉ. श्वेता भल्ला, डॉ. प्रियंका गुप्ता, डॉ. दयाराम मुझाल्दा, डॉ. रेखा सोलंकी, श्याम रावत, सरवन मालवीय, मनीष बैरागी सहित महाविद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। अंत में विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने, साइबर अपराधों के प्रति सजग रहने तथा राष्ट्रहित में सदैव सकारात्मक भूमिका निभाने की शपथ दिलाई गई। अमर शहीदों के अद्वितीय साहस एवं सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धापूर्वक नमन किया।

गुरु पूर्णिमा पर 50 से अधिक परिवार करेंगे माता-पिता का चरण पूजन

उज्जैन। सामाजिक संस्था तेरा तुझको अर्पण सेवा संस्थान द्वारा गुरु पूर्णिमा पर जनक-जननी उपासना पर्व मनाया जाएगा। इसके तहत प्रात: 10 बजे मातृ-पितृ चरण पूजन-वंदन कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें 50 से अधिक परिवार अपने माता-पिता का चरण पूजन करेंगे।

वहीं, 500 से अधिक लोग इस आयोजन के विहंगम दृश्य के साक्षी बनेंगे। संस्था अध्यक्ष व कार्यक्रम संयोजक धनंजय शर्मा ने बताया कि देवगुरु बृहस्पति और मातृ-पितृ भक्त श्रवणकुमार के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन से शुभारंभ होगा। श्रेष्ठ आचार्यों द्वारा स्वस्तिवाचन और शुभाशीष रूपी मंत्रोच्चार के बीच पूर्ण विधि-विधान से पूजन संपन्न कराया जाएगा। कार्यक्रम में संतानों द्वारा दूध व जल से माता-पिता के चरण पखारे जाएंगे। शर्मा के अनुसार, शास्त्रों में माता-पिता को प्रथम गुरु माना गया है, इसलिए गुरु पूर्णिमा पर उनकी पूजा करना संतानों का दायित्व है। संस्था का मुख्य उद्देश्य युवाओं और परिवारों में इसी आदर्श संस्कार की स्थापना करना है।

गो-सम्मान के लिए निकली विशाल रैली, सौंपा ज्ञापन

उज्जैन। गो सम्मान आह्वान अभियान के बैनर तले सोमवार को उज्जैन में गौ माता के सम्मान, संरक्षण और सेवा के लिए केंद्रीय कानून बनाने की मांग को लेकर विशाल रैली निकाली गई। रैली फ्रीगंज स्थित दशहरा मैदान से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए कोठी पैलेस स्थित कलेक्टर कार्यालय पहुंची, जहां प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। रैली में बड़ी संख्या में साधु-संत, गौ-भक्त, युवा और सनातन धर्मावलंबी शामिल हुए। पूरे मार्ग में प्रतिभागियों ने गौ माता के सम्मान और संरक्षण के

समर्थन में नारे लगाए तथा केंद्र सरकार से गोवंश की सुरक्षा के लिए सख्त कानून बनाने की मांग की। स्वामी हसानंद महाराज एवं प्रताप सिंह आर्य ने बताया कि वर्तमान समय में गौवंश की स्थिति चिंताजनक है। कई स्थानों पर दुर्घटना या मृत्यु के बाद गौवंश के शव घंटों तक सड़कों पर पड़े रहते हैं, सनातन धर्म में गौ माता का विशेष महत्व है और उनमें 33 करोड़ देवी-देवताओं का वास माना जाता है। ऐसे में गौवंश के सम्मान और सुरक्षा के लिए प्रभावी कानून बनाया जाना आवश्यक है। महाराज ने कहा कि ज्ञापन में हमारी प्रमुख मांग है कि गो-सेवा एवं संरक्षण के लिए एकीकृत केंद्रीय कानून बनाया जाए तथा स्वतंत्र केंद्रीय गो-सेवा मंत्रालय का गठन किया जाए। चारा सुरक्षा कानून बनाकर गोचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त किया जाए. ज्ञापन के माध्यम से प्रधानमंत्री से इन मांगों पर शीघ्र निर्णय लेकर देशभर के गो-भक्तों और संत समाज की भावनाओं का सम्मान करने का आग्रह किया । कार्यक्रम का आभार कपिला गौशाला के महंत हसानंद महाराज ने माना।

कारगिल विजय दिवस पर वीरांगनाओं और युद्ध नायकों का हुआ सम्मान

उज्जैन। उज्जैन संभाग पूर्व सैनिक कल्याण संगठन द्वारा 27वां कारगिल विजय दिवस पूरे उत्साह और सम्मान के साथ मनाया गया। रविवार शाम कालिदास अकादमी स्थित पद्मभूषण पंडित सूर्यनारायण व्यास सांस्कृतिक संकुल में आयोजित इस गरिमामयी कार्यक्रम में अमर बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। साथ ही बलिदानी सैनिकों के परिजनों, कारगिल योद्धाओं, समाजसेवियों और उत्कृष्ट कलाकारों को अलंकृत किया गया।

संगठन अध्यक्ष सूबेदार कमल सोनी की अध्यक्षता में हुए समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कर्नल राजकुमार सिंह, कर्नल व्यास, कर्नल प्रदीप सिंह, कर्नल विनीत कुमार, 10 एमपी एनसीसी बटालियन के सूबेदार बलविंदर सिंह, नारायण यादव, सुधीर भाई गोयल, मनीषा खेड़ेकर, किशोर सिंह भदौरिया और

सुशील यादव उपस्थित रहे। संचालन संगठन उपाध्यक्ष हवलदार मुकेश कुमार मोयल ने किया।

17 कारगिल योद्धाओं का किया गया बहुमान- समारोह में उज्जैन के 17 कारगिल योद्धाओं को माला, दुपट्टा और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इनमें कर्नल प्रदीप सिंह, सूबेदार मेजर महेश प्रसाद तिवारी, जूनियर वारंट अधिकारी उपेंद्र चौधरी, नायक लाखन सिंह राठौर, नायब सूबेदार मेहरबान सिंह राठौड़, सूबेदार मेजर अजय सिंह जादौन, हवलदार दिलीप कुमार शर्मा, हवलदार राजेश गिरी, नायब सूबेदार रामबाबू सिंह भदोरिया, हवलदार अशोक उपाध्याय, नायक गुड्डू लाल पटेल, मध्य प्रदेश पुलिस निरीक्षक नायक राजन सिंह राजावत, मध्य प्रदेश पुलिस निरीक्षक हवलदार बहादुर सिंह परिहार, हवलदार तेज सिंह जाधव, हवलदार राजेंद्र सिंह मंडोर, नायक दशरथ सिंह और सार्जेंट अर्जुन सिंह शामिल थे।

इन बलिदानी परिवारों का हुआ सम्मान

संगठन सचिव हवलदार रविप्रताप सिंह भदौरिया ने बताया कि शहर में निवासरत 6 बलिदानी सैनिकों के परिजनों को शॉल, श्रीफल, दुपट्टा और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में शहीद नायक अरविंद सिंह तोमर की वीरनारी राका लक्ष्मी तोमर, शहीद नायक जितेंद्र सिंह चौहान की वीरनारी सुधा चौहान, शहीद गजेंद्र राव सुर्वे के वीर माता-पिता अशोक सुर्वे व कल्पना सुर्वे तथा शहीद नौसैनिक भास्कर के वीर माता-पिता नंदवल्लभ पांडे व बीना पांडे शामिल हैं।

चार महीने से नहीं मिली 600 रुपए की पेंशन

उज्जैन। शहर के निराश्रितों, बुजुर्गों, विकलांगों और विधवाओं को पिछले 4 महीने से पेंशन नहीं मिली है। पेंशन नहीं मिलने से कई लोगों के सामने जीवन यापन का संकट खड़ा हो गया है। इसे लेकर नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष रवि राय ने प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा है।

रवि राय ने कहा कि सरकारें विकास की बड़ी-बड़ी बातें करती हैं, लेकिन समाज के अंतिम पंक्ति के लोगों की अनदेखी हो रही है। निराश्रित, बुजुर्ग, विकलांग और विधवा महिलाओं को प्रतिमाह मिलने वाली 600 की राशि पिछले चार महीने से उनके खातों में नहीं पहुंची है। यह पेंशन केंद्र और राज्य सरकार के अनुदान से दी जाती है।

राय ने आरोप लगाया कि

> अब जब पेंशन देना शुरू किया गया है, तो केवल एक महीने की ही दी जा रही है। पिछले तीन महीने की पेंशन कहां गई? यह व्यवस्था भारत सरकार और मध्य प्रदेश सरकार के बजट में प्रावधानित है और आजादी के बाद से ही लागू है, लेकिन वर्तमान सरकार की अनदेखी के कारण जरूरतमंदों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है।

जीवित होने के प्रमाण पत्र के नाम पर पेंशनर्स को बार-बार परेशान किया जा रहा है।

कभी केवाईसी तो कभी बैंक के नाम पर उनकी पेंशन रोक दी जाती है। भौतिक सत्यापन के नाम पर भी पेंशन रोकी जा रही है।

महाआरती के बाद वैष्णवजनों ने लिया प्रतियोगिताओं में भाग

उज्जैन। श्री वल्लभ वैष्णव मंडल के तत्वावधान में 84वें छाक लीला मनोरथ के अवसर पर दुर्गेश्वर महादेव का मावे से आकर्षक श्रृंगार कर 56 भोग लगाया गया। मीडिया प्रभारी दीपक राजवानी ने बताया कि यह आयोजन महिला मंडल एवं युवा मंडल के संस्थापक विट्ठल नागर के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

महादेव का विशेष श्रृंगार मंडल अध्यक्ष जयेश श्रॉफ और बसंत नागर ने किया। श्रृंगार दर्शन के पश्चात महाआरती संपन्न हुई। इस अवसर पर मंडल द्वारा विभिन्न प्रकार के गेम और हाउजी का आयोजन भी किया गया, जिसमें सैकड़ों वैष्णवजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान मंडल के पदाधिकारियों ने आयोजन के संयोजकों को उपरना पहनाकर सम्मानित किया।

पुष्टिमार्ग संप्रदाय के मंदिरों और हवेलियों में छाक लीला एक प्रमुख उत्सव के रूप में मनाई जाती है। इसमें झांकी सजाकर भगवान को विशेष भोग अर्पित किया जाता है। यह लीला भगवान श्रीकृष्ण द्वारा ब्रज में ग्वाल-बालों और गोपियों के साथ की गई एक दिव्य और वात्सल्यपूर्ण लीला है। इसका मुख्य महत्व सर्वशक्तिमान ईश्वर और उनके भक्तों के बीच के मधुर, प्रेमपूर्ण और आत्मीय संबंध को दर्शाना है।

एक नजर संस्कार भारती और विक्रमादित्य विवि की संगोष्ठी में प्रेमचंद की रचनाओं के नाटकीय तत्वों पर हुआ विमर्श

प्रेमचंद का साहित्य समाज की संवेदनाओं का जीवंत दस्तावेज

उज्जैन। मुंशी प्रेमचंद की रचनाएं केवल साहित्य नहीं हैं, बल्कि यह भारतीय समाज की संवेदनाओं का जीवंत दस्तावेज हैं। उनके कथा-साहित्य में दृश्यात्मकता, संवाद, चरित्रों की सहजता और मानवीय संवेदनाओं का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। यही खूबियां उन्हें रंगमंच के लिए अत्यंत उपयुक्त बनाती हैं। यह विचार भोपाल के वरिष्ठ रंगकर्मी, लेखक और चिंतक संजय मेहता ने रविवार को शलाका दीर्घा सभागृह में व्यक्त किए।

वे संस्कार भारती उज्जैन महानगर और सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के कला शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित मासिक संगोष्ठी श्रृंखला %कला विमर्श% में मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे। संगोष्ठी का विषय %दृश्य और संवेदनाएं- प्रेमचंद की रचनाओं में नाटकीय तत्व% था। मेहता ने भरतमुनि के नाट्यशास्त्र का उल्लेख करते हुए कहा कि नाट्य जीवन का समग्र प्रतिबिंब है। साहित्य और रंगमंच का संबंध मनुष्य की संवेदनाओं से है। प्रेमचंद के पात्र आज भी हमारे समय के प्रश्नों से संवाद करते हैं, यही उनकी कालजयी प्रासंगिकता है। उन्होंने कहा कि नाट्य का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज को आत्मचिंतन के लिए प्रेरित करना भी है। संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे संस्कार भारती के अखिल भारतीय सह कोष प्रमुख श्रीपाद जोशी ने कहा कि प्रेमचंद का साहित्य आज भी मानवीय मूल्यों, सामाजिक चेतना और सांस्कृतिक दृष्टि का सशक्त स्रोत है।